

# Mysterious Cases of Hindu Temples

## हिंदू मंदिरों के रहस्यमय मामले

There is nothing old about our ancient history. It is much better to recall and remember the facts so that soon we will be able to restore them. Renaissance is what living, flourishing people and cultures achieve, only those that cease to exist will be relegated to museums.

Hindu temples everywhere in the world from Ayodhya to Zimbabwe existed before, all tell us about our history much better than words, through silence that reaches hearts better than any speeches. We should achieve renaissance of Hindu religion, culture and civilization that existed world over once, for the sake of humanity and the world. The name 'Hindu' may be recent but what it denotes, Vedic, Sanatana, Dharma is ageless, timeless of same or even greater antiquity than mountains, great rivers and oceans and such others.

सनातन धर्म के हमारे प्राचीन इतिहास में पुराना कुछ भी नहीं है। ज्यादा बेहतर है कि हम उन्हें याद करते रहें और तथ्यों को इतना इतना याद रखें कि जल्द ही हम उन्हें पुनर्स्थापित करने में सक्षम हो जाएँ। पुनर्जागरण जिन्दा रहने वाले, फलते-फूलते लोगों और संस्कृतियों को ही हासिल होता है, मात्र वो जिनका अस्तित्व के लिए संघर्ष समाप्त हो जाता है संग्रहालयों में चले जाएँगे।

जिम्बाब्वे से लेकर अयोध्या तक दुनिया में हर जगह हिंदू मंदिरों के पहले से ही अस्तित्व है, और सब हमारे इतिहास को शब्दों से ज्यादा बेहतर अपने मौन से बताते हैं जो कि दिल में किसी भी भाषण की तुलना में बेहतर तरीके से पहुँचता है। एक बार फिर पूरी दुनिया में मानवता और विश्व की खातिर हमें हिंदू धर्म, संस्कृति और सभ्यता के पुनर्जागरण को प्राप्त करना चाहिए। शब्द 'हिंदू' हाल ही में प्रयोग होना शुरू हुआ होगा, लेकिन यह इंगित करता है वैदिक सनातन धर्म उसी तरह से पुरातन एवम कालातीत है जैसे ज़रा-हीन पहाड़, महान नदियाँ और महासागर।

Here is some information about Zimbabwe which means a great house, not much as you know our eminent historians talk about Pre-Islamic India's connections to the rest of the world in general and particularly to Africa. In fact they do not even dwell much about pre-existing Hindu culture and civilization in India itself. So for such ilk the question of renaissance will not arise. Ignoring them, who should only be condemned, rest of us can sincerely engage ourselves in reclaiming our heritage.

In the hands of ancient Hindus granite became malleable like butter to fashion sculptures and stone instruments that still are there, to play music. No cement was used, but stones stayed together for ages. So it is what remains of ruins after devastating colonial rule in African states whose history also need to be studied.

यहाँ जिम्बाब्वे जिसका अर्थ 'महान घर' है के बारे में कुछ जानकारी है, बहुत ज्यादा नहीं पर जैसे हमारे प्रख्यात इतिहासकार सामान्यतः और विशेष रूप से अफ्रीका के सन्दर्भ में बाकी दुनिया के साथ 'इस्लाम पूर्व भारत' के संबंध के बारे में पता है। वास्तव में वे भी पहले से मौजूद हिंदू संस्कृति और भारत में ही सभ्यता के बारे में ज्यादा ध्यान केन्द्रित करना नहीं चाहते हैं। तो ऐसे लोगों के लिए पुनर्जागरण का सवाल ही पैदा नहीं होगा। उन्हें, जिनकी सिर्फ निंदा की जानी चाहिये, उपेक्षा करते हुए बाकी हम ईमानदारी से अपनी विरासत का खुद पुनरुद्धार कर सकते हैं।

प्राचीन हिंदुओं के हाथों में ग्रेनाइट मक्खन की तरह मूर्तियां गढ़ने के लिये लचीला बन जाता था और पत्थर के उपकरण जो अभी भी उपलब्ध हैं संगीत सृजन करते थे. कोई सीमेंट इस्तेमाल नहीं किया गया था लेकिन फिर भी पत्थर उम्र के लम्बे अंतराल के बाद भी अभी तक टिके हैं. तो औपनिवेशिक शासन के बाद विनाशकारी खंडहर ही अब इसके गवाह हैं.

"Only till lions begin to write their own story, history written by poachers will prevail."

- An African Proverb.

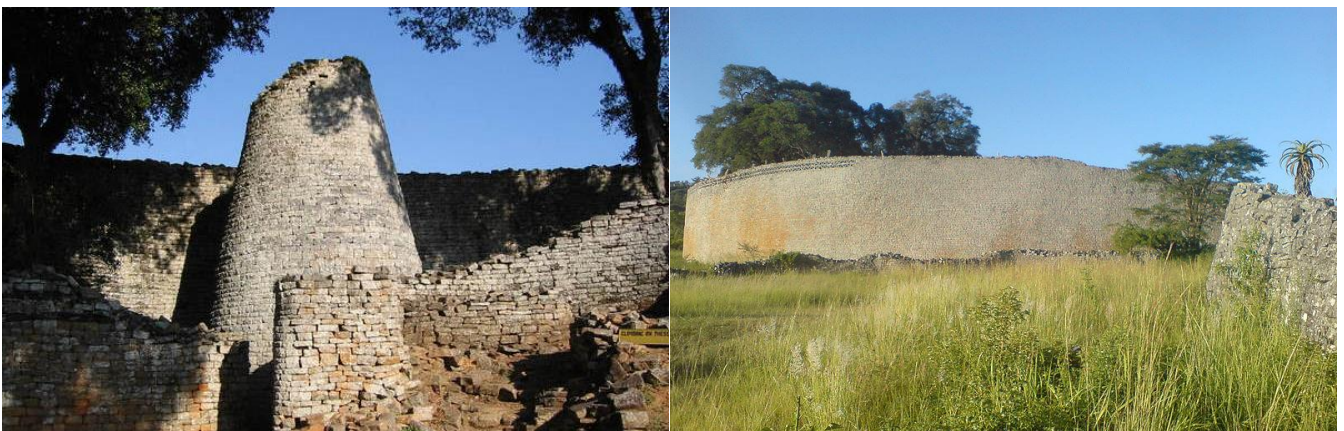
"जब तक शेर अपनी कहानी लिखना नहीं शुरू करते, तब तक शिकारियों द्वारा लिखित इतिहास ही मान्य होगा।" - एक अफ्रीकी कहावत।

### The Temples in Zimbabwe:

"Scattered round Zimbabwe are hundreds of ancient stone ruins. No cement or mortar was used in their construction, so the granite bricks had to be carefully shaped and trimmed so as to fit together like a jigsaw puzzle. Some walls were ten metres high; many incorporated chevron, herringbone or chequered patterns. The largest complex (which may have been a temple) is known as 'Great Zimbabwe'. A set of steps leading into it constitutes a true work of art: each course curves out of the flanking walls into the entrance, with the penetration of the curves increasing as the steps are ascended. The structure below is also from Zimbabwe and is included in world heritage sites by UN. Inside the complex granite stone carvings and such were found.

जिम्बाब्वे में मंदिर:

जिम्बाब्वे में प्राचीन पत्थर के सैकड़ों खंडहर बिखरे हुए हैं. उनके निर्माण में कोई सीमेंट या मोर्टार का इस्तेमाल नहीं किया गया था, इस लिये ध्यान से ग्रेनाइट ईंटों आकार का निर्धारित होता था और छंटनी के बाद तो इन्हें एक पहेली की तरह एक साथ फिट किया जाता था. कुछ दीवार दस मीटर ऊंची थीं। कई में शहतीर लगे थे या आड़ी-चिनाई या चेकर पैटर्न बनाये गये थे. सबसे बड़ा संकुल जो एक मंदिर हो सकता है को 'ग्रेट जिम्बाब्वे' के रूप में जाना जाता है. इसकी प्रवेश-सीढी कला का एक उत्कृष्ट काम है और इसका गठन इस प्रकार है कि दीवारों से बाहर निकलती प्रत्येक सीढी वक्र रूप में घटते हुए प्रवेश द्वार को पहुँचती है. घटते क्रम में सीढी के आकार में वृद्धि अद्वितीय संरचना है. अंदर जटिल नक्काशी के ग्रेनाइट पत्थर पाए गए हैं। कला एवम तकनीक का भारत से सम्बन्ध स्पष्ट है. यह मन्दिर संकुल संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व धरोहर स्थलों में शामिल है।



Is the Christian Vatican originally a Shiva temple? ईसाई वेटिकन मूल रूप से एक शिव मंदिर है?

Historian P.N. Oak claimed that the word Vatican originally came from the Sanskrit word "Vatika", that "Christianity" came from the Sanskrit words "Krishna-neeti", (the way of Krishna), and that "Abraham" came from the Sanskrit word "Brahma". He further claims that both Christianity and Islam originated as distortions of Vedic beliefs. Compare the two pictures and see a striking similarity between the shapes of a shiva linga and the vatican church compound. इतिहासकार पी.एन. ओक ने दावा किया है कि शब्द वेटिकन मूल रूप से संस्कृत शब्द "वाटिका" से आया है और "क्रिस्टीएनिटी" (ईसाई धर्म) संस्कृत शब्द "कृष्ण-नीति" (कृष्ण की तरह) का अपभ्रंश है, और यह भी कहा कि "इब्राहीम" शब्द संस्कृत शब्द " ब्रह्मा से आया है। उन्होंने आगे दावा किया है कि दोनों ईसाई और इस्लाम धर्म ने वैदिक मान्यताओं की विकृतियों के रूप में जन्म लिया है। दो चित्रों की तुलना करें और एक शिव लिंग के आकार और वेटिकन चर्च परिसर के बीच एक सटीक समानता देखेंगी।



In these pictures take a look at the tripundra (three lines worn by Lord Shiva as tilak). The word 'Vatican' itself is derived from the Sanskrit word Vatika, which means Vedic cultural or religious centers, such as Yagna-Vatika. Such words and discoveries prove that the Vatican was a Hindu (Vedic) religious centre before its incumbent was forced to accept Christianity from 1st century AD.

इन तस्वीरों में 'त्रिपुंड' (भगवान शिव द्वारा पहना तीन रेखाओं वाला तिलक) पर एक नज़र डालें। शब्द 'वेटिकन' भी संस्कृत शब्द वाटिका से लिया गया है, जो इस तरह के यज्ञ-वाटिका के रूप में वैदिक, सांस्कृतिक या धार्मिक केन्द्रों के लिये प्रयुक्त होता है। इस प्रकार के शब्दों के अर्थ से और खोजों से साबित होता है कि 'वेटिकन' एक हिन्दू (वैदिक)

धार्मिक केंद्र था जिसके अवलंबियों को 1 शताब्दी ईस्वी से ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया था।

Also, according to some reports, a Shiva linga was found during the excavation and is kept for display at a Museum in Rome. This Siva Lingam is exhibited in Gregorian Etruscan Museum, Vatican City. It has the most important Etruscan collection in Rome, starting with early Iron Age objects from the 9th century BC.

इसके अलावा, कुछ रिपोर्टों के अनुसार, एक शिव लिंग खुदाई के दौरान यहाँ मिला था और एक इसे रोम के संग्रहालय में प्रदर्शनी के लिए रखा गया है। यह शिव लिंग ग्रेगोरियन इट्रस्कैन संग्रहालय, वेटिकन सिटी में प्रदर्शित किया गया है। यह 9 वीं शताब्दी ईसा पूर्व से लौह युग उदय-काल की वस्तुओं के साथ रोम में सबसे महत्वपूर्ण इट्रस्कैन संग्रह है।

The Lost Hindu Empire of Cambodia कंबोडिया का खोया हिन्दू साम्राज्य

A visit to Cambodia is recommended or may even be de rigueur for any Indian with an interest in the erstwhile history of India. There are several hundred Hindu and Buddhist temple ruins



throughout the countryside, especially around the town of Siem Reap near the large lake Tonle Sap. Siem Reap is the heart of the country. Here is where the splendid temple Angkor Wat has stood for nearly nine hundred years. भारत के तत्कालीन इतिहास में रुचि रखने वालों के लिये कंबोडिया की एक यात्रा की सिफारिश की जाती है. यह इक दृष्टि से किसी भी भारतीय के लिए आवश्यक है. देश भर में कई सौ हिंदू और बौद्ध मंदिरों के खंडहर, विशेष रूप से सिएम रीप शहर के चारों ओर बड़ी झील टोन्ले साप के पास! सिएम

रीप देश का हृदय है। यहाँ दर्शनीय मंदिर अंगकोर वाट लगभग नौ सौ साल से शान के साथ खड़ा है।

The sprawling temple spreads over a one square mile area. Long walls with stories of Hindu mythology are sculpted as bas-reliefs. It is a magnificent temple complex, constructed in the form of mythological Mount Meru - the Hindu centre of the Universe. The brilliant paint used to enhance the reliefs has faded but the architecture and beauty are still preserved. The sheer magnitude of the temple complex is impressive. All the gods of the Hindu pantheon are represented in temple sculpture. Shiva and Vishnu were held in high esteem. विशाल मंदिर एक एक वर्ग मील से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। हिंदू पौराणिक कथाओं की कहानियों को पत्थर की दीवारों में मूर्ति रूप में उत्कीर्ण किया गया है. हिंदू मान्यतानुसार ब्रह्मांड के केंद्र पौराणिक पर्वत मेरु के रूप में इस भव्य मंदिर परिसर का निर्माण किया गया है। मन्दिर को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रयुक्त रंग तो अब फीका हो गया है लेकिन वास्तुकला और मूर्ति सौंदर्य अभी भी संरक्षित है। मंदिर परिसर के विशाल परिमाण अत्यंत प्रभावशाली है। हिंदू मान्यताओं के सारे देवताओं का मंदिर की मूर्तियों में प्रतिनिधित्व है। शिव और विष्णु को उच्च सम्मान दिया गया है।

### Ancient Tamil Brahmi script found in Egypt प्राचीन तमिल ब्राह्मी लिपि का मिस्र में मिलना

A broken storage jar with inscriptions in Tamil Brahmi script has been excavated at Quseir-al-Qadim, an ancient port with a Roman settlement on the Red Sea coast of Egypt. This Tamil Brahmi script has been dated to first century B.C. The same inscription is incised twice on the opposite sides of the jar. The inscription reads paanai oRi, that is, pot (suspended) in a rope net. A pottery specialist at the British Museum, London, identified the fragmentary vessel as a storage jar made in India. कसीर-अल- क़दीम, मिस्र के लाल सागर तट पर एक



रोमन उपनिवेशणके एक प्राचीन बंदरगाह पर खुदाई में प्राचीन तमिल ब्राह्मी लिपि में लेख के साथ एक भंडारण मृद - कलश का टुकड़ा मिला है। इस तमिल ब्राह्मी लिपि के लेख को पहली सदी ईसा पूर्व का दिनांकित किया गया है. एक ही लेख को जार के विपरीत दिशा में दो बार छिन्नित किया गया है। शिलालेख पर पढ़ सकते हैं - 'पानाई ओरी' जिसका अर्थ है एक रस्सी जाल में निलंबित बर्तन। ब्रिटिश संग्रहालय,

लंदन के मिट्टी के बर्तनों के एक विशेषज्ञ द्वारा इसे भारत में निर्मित एक भंडारण मृद-कलश के टूटे हिस्से के रूप में पहचाना है।

### Potsherd with Tamil-Brahmi script found in Oman तमिल ब्राह्मी लिपि के साथ ठीकरा ओमान में पाया

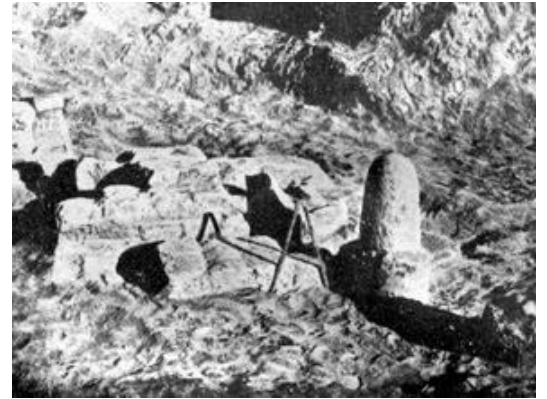


A Tamil-Brahmi script inscribed on a potsherd, which was found at the Khor Rori area in Oman, has come to light now. The script reads "nantai kiran" and it can be dated to first century CE, that is, 1900 years before the present. The discovery in the ancient city of Sumhuram has opened a new chapter in understanding the maritime trade of the Indian Ocean countries,

according to specialists in history. अब प्रकाश में आया है कि एक मिट्टी के बर्तन का ठीकरा ओमान में खोर रोरी क्षेत्र में पाया गया था जिस पर तमिल ब्राह्मी लिपि में खुदा हुआ था. लेख का अर्थ है, "नांताई किरण" और यह वर्तमान से 1900 साल पहले, ईसा पूर्व का दिनांकित किया गया है। सुम्हुराम के प्राचीन शहर में इस खोज ने इतिहास के विशेषज्ञों के अनुसार हिंद महासागर के देशों के समुद्री व्यापार को समझने में एक नया अध्याय खोल दिया है।

### 5,000 year Old Shiva Linga found at Harappa 5000 वर्ष पुराने शिव लिंग हड़प्पा में पाया

In 1940, archaeologist M.S. Vats discovered three Shiva Lingas at Harappa, dating more than 5,000 years old. This rare archival photo shows that ancient Shiva Linga as it was being excavated from the Harappa site. 1940 में, पुरातत्वविद् एम एस वत्स ने हड़प्पा में 5000 वर्ष से अधिक पुराने तीन शिव लिंगों की खोज की। यह दुर्लभ अभिलेखीय तस्वीर में हड़प्पा खुदाई स्थल से प्राप्त प्राचीन शिव लिंग को देखा जा सकता है.



### Large ancient Hindu temple found in Bali बाली का अत्यंत प्राचीन हिंदू मंदिर

Construction workers in Bali have discovered what is thought to be the biggest ancient Hindu temple ever found on the Indonesian island, archaeologists said. The workers were digging a drain in the island's capital Denpasar at a Hindu study centre when they came across the remains of the stone temple. They reported the discovery to the Bali archaeology office, which then unearthed substantial foundations of a structure that the excavation team believes dates from around the 13th to 15th centuries.

इस मन्दिर की बाली में निर्माण-श्रमिकों ने खोज की है जिसे पुरातत्वविदों के अनुसार इंडोनेशियाई द्वीप पर पाया गया सबसे बड़ा प्राचीन हिंदू मंदिर माना जाता है। श्रमिकों के द्वारा द्वीप की राजधानी देनपासार में एक हिंदू



अध्ययन केंद्र में एक नाली की खुदाई की जा रही थी जब पत्थर के मंदिर के अवशेष प्रकाश में आये. उन्होंने बाली पुरातत्व कार्यालय को इस खोज के बारे में सूचित किया और फिर इसकी एक खुदाई टीम ने पर्याप्त नींव वाली एक संरचना का पता लगाया जो कि 13 वीं - 15 वीं सदी के बीच निर्मित हो सकती है।

### Ruins of ancient temple found in Yogyakarta योग्याकर्ता में पाये प्राचीन मंदिर के खंडहर

The ruins of an ancient building discovered at the Indonesian Islamic University in Yogyakarta have been confirmed as a temple to worship the Hindu gods Shiva and Ganesha. Linga, the symbol for the worship of Shiva, and yoni, a Sanskrit symbol for divine passage or place of birth, were found in the area. इंडोनेशियाई इस्लामी विश्वविद्यालय, योग्याकर्ता में की खोज की गयी एक प्राचीन इमारत के खंडहर को हिंदू देवताओं शिव और गणेश जी की पूजा के एक मंदिर के रूप में पुष्टि की गई है। इस स्थल पर प्राप्त लिंग, शिव की पूजा के लिए प्रतीक और योनि दिव्य मार्ग या जन्म स्थान के रूप में प्रतीक हैं।

### Mystery of Hanuman: Lost city of the 'Monkey God' found! हनुमान का रहस्य: 'बंदर भगवान' का खोया शहर मिला!



La Ciudad Blanca, Spanish for 'The White City' is a legendary settlement said to be located in the Mosquitia region of eastern Honduras in Central America. Researcher Charles Lindberg, during one of his flights over the jungles of Mosquitia in Honduras, claimed caught a glimpse of what he thought was the 'Lost City of the Monkey God' where, legend says that local people worshipped huge 'Monkey Sculptures'.

Theodore Morde – an American adventurer, worked on the tip given by Lindberg and claimed that he had finally found the lost city in 1940. He claimed sacrifices were made by local Indians to a gigantic idol of an ape. However, he was killed by a car in London before he could announce its exact location.

Morde had originally been looking for the White City, a hidden refuge of gods and gold first reported by Hernan Cortez. स्पेनिश में 'ला स्यूदाद ब्लैंका' या 'श्वेत नगर' के रूप में लिए एक महान नगर मध्य अमेरिका में पूर्वी होंडुरास की मौस्क्रिवटा क्षेत्र में स्थित होने के बारे में इतिहास में अनेकों उद्धरण हैं. शोधकर्ता चार्ल्स लिंडबर्ग मौस्क्रिवटा, होंडुरास के जंगलों के उपर अपनी उड़ानों में से एक के दौरान 'बंदर भगवान के खोये शहर' की एक झलक' पाने का दावा किया है जहाँ किवदंतियों के अनुसार स्थानीय लोग विशाल 'बंदर मूर्तियां' की पूजा करते थे.

थिओडोर मोर्डे, एक अमेरिकी साहसी यात्री ने लिंडबर्ग द्वारा दी गयी सूचनाओं पर आगे काम किया और दावा किया है कि वह अंततः वर्ष 1940 में खोया शहर पाने में सफल रहा. उन्होंने दावा किया कि बंदर या हनुमान की एक विशाल मूर्ति के सामने स्थानीय भारतीयों द्वारा बलि दी जाती थीं. हालांकि इससे पहले कि वह उसके सही स्थान की घोषणा कर पाता, वह लंदन में एक कार द्वारा मारा गया. मोर्डे मूल रूप से

हर्मन कोरटेज द्वारा वर्णित 'व्हाइट सिटी' - देवताओं का स्थल और सोने के छिपे भंडार की तलाश में गया था।

### Discovering the statue प्रतिमा की खोज

Researchers from the University of Houston and the National Center for Airborne Laser Mapping flew over the Mosquitia region and revealed that there is evidence of a plaza dotted with ancient pyramids now reclaimed by the jungle on the east end of Honduras. On the western end of Honduras is the city of Copan – the site of the ancient Howler Monkey God statue. This monkey god that Westerners are talking about can actually be related to Lord Hanuman.

ह्यूस्टन विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय एयरबोर्न लेजर मानचित्रण केन्द्र के शोधकर्ताओं ने मौस्क्रिटा क्षेत्र के ऊपर उड़ानें भरीं और उन्हें होन्दुरास के पूर्वी छोर पर जंगल से अटे एक विशाल प्रांगड में प्राचीन पिरामिडों के अनेक अवशेष दिखाई दिये. होन्दुरास के पश्चिमी अंत पर कोपान नामक शहर है जहाँ कि प्राचीन कपीश (बंदर भगवान) की प्रतिमा की खोज की गयी है. जिस बंदर भगवान के बारे में पश्चिमी देशों के विद्वान चर्चा कर कर रहे हैं वह वास्तव में भगवान हनुमान से संबंधित हो सकता है।